

23/8/22

पत्राली छुडई। डिडीघार अछिपल।
न्यापालय की छिगीय व छी रिकारु
२५/०५/२२ की पालक जहि अकारण
छे छे डुभीडी अब कोय पालक
के नहीडी अला पत्राली सी
रल पर सुप की मारीडी
पत्राली मरुल के अम देअल
जहिअ सुपलई

